

क. रा. बी. निगम अस्पताल अंकलेश्वर
क. रा. बी. निगम 75वां स्थापना दिवस – विशेष सेवा पखवाड़ा
रिपोर्ट दिनांक : 26/02/2026 (गुरुवार)

विषय: बीमित श्रमिकों/आश्रितों हेतु “सुविधा समागम” एवं ईपीएफओ के “निधि आपके निकट 2.0” कार्यक्रम का आयोजन

स्थान: ओपीडी कक्ष, क. रा. बी. निगम अस्पताल अंकलेश्वर

दिनांक 26 फरवरी 2026 को कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल, अंकलेश्वर के ओपीडी कक्ष में बीमित व्यक्तियों (IP) एवं उनके आश्रितों के लिए “सुविधा समागम” कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन डॉ. आर्केश शाह, चिकित्सा अधीक्षक प्रभारी के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. आर्केश शाह, चिकित्सा अधीक्षक प्रभारी; डॉ. अर्पणा वासवा, फिजीशियन; श्री विनोद कुमार, सहायक निदेशक; श्री हनुमान प्रसाद, शाखा प्रबंधक (डीसीबीओ, अंकलेश्वर); श्री उपेंद्र उपाध्याय, कार्यालय अधीक्षक; श्री सुरेश वेलारी, अस्पताल प्रबंधक तथा बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बीमित श्रमिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं/शिकायतों का प्रभावी निराकरण करना, ईएसआईसी की चिकित्सा एवं नगद लाभ योजनाओं के संबंध में जागरूकता बढ़ाना तथा लाभार्थियों और अधिकारियों के मध्य प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना था।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लाभार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी समस्याएं, सुझाव एवं अनुभव साझा किए। डॉ. आर्केश शाह एवं उपस्थित अन्य चिकित्सकों एवं अधिकारियों द्वारा ईएसआईसी की विभिन्न सेवाओं, जैसे चिकित्सा सुविधाएं, रेफरल सेवाएं, नगद लाभ तथा ऑनलाइन सेवाओं आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं/शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु अस्पताल प्रशासन द्वारा पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इसके अतिरिक्त, अनेक बीमित व्यक्तियों ने क. रा. बी. निगम अस्पताल, अंकलेश्वर में उपलब्ध बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, गुणवत्तापूर्ण जांच एवं नियमित फॉलो-अप व्यवस्था के साथ-साथ चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों एवं सहायक स्टाफ के सहयोगात्मक एवं मित्रतापूर्ण व्यवहार की सराहना की। अधिकांश लाभार्थियों ने अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही चिकित्सा सुविधाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।





यह कार्यक्रम लाभार्थियों और प्रशासन के बीच विश्वास, पारदर्शिता एवं जागरूकता को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का समापन इस आश्वासन के साथ किया गया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जनसंपर्क एवं जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि बीमित श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को अधिकतम सुविधा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके।